"घर-घर आयेगी समृद्धि, जब अपनाओगे श्री विधि"

कृषि विभाग
बिहार सरकार

कृषि विभाग

श्री विधि महाअभियान - 2013

किसान भाईयों एवं बहनों से अपील

- इस वर्ष कृषि विभाग द्वारा 25 लाख एकड़ क्षेत्र में श्री विधि से धान की खेती कराई जा रही है, जिसमें 5 लाख एकड़ क्षेत्र में इसका प्रत्यक्षण कराया जा रहा है।
- चयनित कृषकों के बीच गरमा मौसम में खेतों में हरी खाद को बढ़ावा देने के लिए मूँग एवं ढ़ैंचा का प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया गया है। आप किसान भाईयों/बहनों से अपील है कि गरमा मूँग के फलियों की तुड़ाई कर, मूँग एवं ढ़ैंचा के पौधों को हरी खाद के लिए मिट्टी में पलटने हेतु जुताई करें।
- चयनित कृषकों के बीच श्री प्रत्यक्षण हेतु श्री उपादान किट उपलब्ध कराया गया है। जिन किसान भाई–बहनों को श्री किट के लिए चयनित नहीं किया जा सका है, उनसे अपील है कि अनुदानित दर पर उपलब्ध संकर धान एवं अन्य प्रभेदों के प्रमाणित धान के बीज प्राप्त कर श्री विधि से ही धान की खेती करें तथा अधिक उपज का लाभ प्राप्त करें।
- सरकार द्वारा आपके जिला के पाँच पंचायतों में धान की सामुदायिक नर्सरी योजना चलाई जा रही है, जिसमें नर्सरी लगाने वाले किसानों को कुल 6500 रूपए/एकड़ की सहायता दी जाएगी तथा धान का बिचड़ा खरीदने वाले किसानों को अधिकतम 10000 रूपए/एकड़ की सहायता दी जाएगी।

आप सभी किसान भाईयों/बहनों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में इन कार्यक्रमों में भाग लेकर श्री विधि से ही धान की खेती करें।

श्री तकनीक से धान की खेती की विशेषताएँ :-

- एक एकड़ भूमि में रोपाई के लिए मात्र 2 किलो बीज की जरूरत होती है।
- इस विधि में पौधे–से–पौधे की दूरी 25 से०मी० X 25 से०मी० रखी जाती है।
- श्री विधि से धान की खेती करने पर पानी का कम प्रयोग होता है।
- पौधे में सिंचाई जल, पोषक तत्व एवं प्रकाश के लिए कम प्रतिस्पर्धा होती है।
- एक बिचड़ा से 40–80 कल्ले निकलते हैं।
- हरेक बाली में 150–200 दाने आते हैं।
- फसल जल्दी पककर तैयार हो जाती है।
- परम्परागत विधि की तुलना में दो से तीन गुनी ज्यादा उपज होती है।

नोट : विशेष जानकारी के लिए अपने निकटतम कृषि पदाधिकारी से सम्पर्क करें अथवा कृषि विभाग, बिहार की बेवसाइट www.krishi.bih.nic.in देखें।